मनसा सेवा - 78

अव्यक्त बापदादा :- (23/10/1999)

➳ _ ➳ तो क्या सुना? समय की पुकार है - दाता बनो। आवश्यकता है बहुत। सारे विश्व के आत्माओं की पुकार है - हे हमारे ईष्ट ईष्ट तो हो ना! किसी न किसी रूप में सर्व आत्माओं के लिए ईष्ट हो। तो अभी सभी आत्माओं की पुकार है - हे इष्ट देव-देवियाँ परिवर्तन करो।

➳ _ ➳ यह पुकार सुनने में आती है? पाण्डवों को यह पुकार सुनने में आती है? सुनकर फिर क्या करते हो? सुनने में आती है तो सैलवेशन देते हो या सोचते हो, हाँ करेंगे? पुकार सुनने में आती है? तो समय की पुकार सुनाते हो और आत्माओं की पुकार सिर्फ सुनते हो?

➳ _ ➳ तो ईष्ट देव-देवियों अभी अपने दाता-पन का रूप इमर्ज करो। देना है। कोई भी आत्मा वंचित नहीं रह जाए। नहीं तो उल्हनों की मालायें पड़ेगी। उल्हनें तो देंगे ना! तो उल्हनों की माला पहनने वाले ईष्ट हो या फूलों की माला पहनने वाले ईष्ट हो? कौन से ईष्ट हो? पूज्य हो ना! ऐसे नहीं समझना कि हम तो पीछे आने वाले हैं। जो बड़े-बड़े हैं वही दाता बनेंगे, हम कहाँ बनेंगे। लेकिन नहीं, सबको दाता बनना है।

➢➢ **समय की पुकार है दाता बनो**

➳ _ ➳ **सारे विश्व की आत्माओं की पुकार है – हे हमारे इष्ट देव देवियां परिवर्तन करो**

→ अपने दातापन का रूप ईमर्ज करो

➳ _ ➳ उल्हाना शिकायत कम्पलेंट

→ उलाहना

- वो पोजीटिव है मीठा है प्यार भरा है रस भरा है अधिकार वाला है जो अपने है उनको दिया जाता है

→ कम्पलेंट शिकायत

- नेगेटिव है

➢➢ **ब्राह्मण आत्माओं को किस किस की पुकार सुनाई देनी चाहिए या ब्राह्मण आत्माओ को कौन कौन पुकार रहा है ??**

➳ _ ➳ 1. **समय पुकार रहा है**

→ दाता बनो

→ हे आत्माओं परिवर्तन करो

- कौन सा समय चल रहा है

➳ _ ➳ 2. **आत्मायें पुकार रही हैं**

→ भगत आत्मायें, दुखी आत्मायें, अशांत आत्मायें, पीडित आत्मायें, विकारो मे डूबी हुई आत्मायें, बंधनों में फंसी हुई आत्मायें, उदास आत्मायें, भटकती आत्मायें, संसार की सारी आत्मायें पुकार रही हैं

➳ _ ➳ 3. **प्रकृति पुकार रही है**

→ **पांच तत्व पुकार रहे है हे आत्माओं हमे पावन करो**

- प्रकृति तमोप्रधान हो गई है
- थक गई है घुटने टेक दिए है अब नही होता
- गिरने वाली है आक्सीजन पर है
- ऐसे प्राणहीन हो चुकी है

➳ _ ➳ 4. **एडवांस पार्टी की आत्मायें**

→ **हमे पुकार रही है जल्दी सम्पूर्ण बनो**

- बहुत समय से इंतजार कर रहे हैं

➳ _ ➳ 5. **स्वयं बापदादा पुकार रहे हैं**

→ **भगवान पुकार रहे है कह रहे हैं आ जाओ**

→ **बच्चों वतन मे आना, घर बाबा का सजाना**

- घर खाली हो चुका है
- घर सूना सूना लगता है आ जाओ

➳ _ ➳ 6. **हमारा सम्पूर्ण स्वरूप पुकार रहा है**

→ तुम्हारा सम्पूर्ण स्वरूप तुम्हारा आवाहन कर रहा है

➳ _ ➳ 7. **मधुबन की भूमि पुकार रही है**

→ **ये तपस्या भूमि परम तपस्या के पथ पर आने के लिए तुम्हे पुकार रही है**

- हे पथिक हे योगी तपस्वी तपस्या करो

➳ _ ➳ 8. **काल पुकार रहा है**

→ काल अर्थात मृत्यु

→ काल तुम्हे पुकार रहा

→ **काल का आवाहन हो चुका है**

➳ _ ➳ 9. **कर्त्तव्य पुकार रहे है**

→ तुम्हारे महान कर्तव्य तुम्हे पुकार रहे हैं

■ कह रहे है कि विश्व कल्याण करो

➳ _ ➳ 10. **अंतः करण की आवाज**

→ अंदर की आवाज कह रही है क्या करने आए थे और क्या कर रहे हो किसलिए आए थे

■ bottom of the heart वहां से जो आवाज उठती है स्वयं स्वयं की पुकार रही है

➢➢ समय की पकार

➳ _ ➳ समय को सफल करो

➳ _ ➳ कम्पलीट एवररेडी बन जाओ

➳ _ ➳ कम्पलीट पवित्र बन जाओ

➳ _ ➳ कम्पलीट सम्पूर्ण जागृत हो जाओ

→ जब तक लक्ष्य तक नही पहुंचते तब तक रुकना नही

➳ _ ➳ कम्पलीट वैराग को धारण करो

➳ _ ➳ कम्पलीट मायाजीत प्रकृतिजीत बनो

➳ _ ➳ कम्पलीट क्षमाशील रहमदिल और दाता बनो

➳ _ ➳ तपस्वी बनो कम्पलीट तपस्या करो

➳ _ ➳ कम्पलीट नष्टोमोहा बनो

➳ _ ➳ सम्पूर्ण निर्बंधन बनो

➳ _ ➳ कम्पलीट कर्मेन्द्रियजीत बनो जितेन्द्रिय बनो

➳ _ ➳ कम्पलीट सेल्फ कंट्रोल हो

➳ _ ➳ अपने आप को शक्तियो से भर दो

➳ _ ➳ स्प्रीचुअल पावर से स्वयं को भर दो

➳ _ ➳ हमें क्या क्या सुनना है ??

→ समय क्या कह रहा है सुनो

→ समय की लिखत को पढो

→ समय कुछ दस्तक दे रहा है सुनो

→ समय का आलम समय का समय का गीत वाणी साऊंड क्या कह रहा है वो हमे सुनना है

➳ _ ➳ **इतना ज्ञान योग करते है फिर भी विकर्म घटते नही है विनाश नही होते**

→ क्योकि नये विकर्म बन रहे है

→ **<u>वो इतनी सूक्ष्म गति से बन रहे है कि पता नही चल रहा है वो विकर्म है</u>**

→ स्थूल विकर्म तो छूट गए सूक्ष्म तो बनते जा रहे है

- **<u>किसी को देखते हो देह देखते हो आत्मा न देखा तो वो विकर्म है</u>**
- श्रेष्ठ संकल्प न आए व व्यर्थ ही चल रहा है तो वो भी विकर्म है
- लीकेज है कहीं न कहीं। नए नए विकर्म हो रहे है कब हो रहे है किस अनुपात मे हो रहे है और पकड मे ही नही आ रहे हैं।